<u>पैरागन कान्वेंट स्कूल</u>

<u>कक्षा - 3</u>

<u>पाठ 7</u>

<u>पुस्तक की आत्मकथा</u>

कठिन शब्द

आत्मकथा	आश्चर्य
पुस्तक	दुराव - छिपाव
मनोरंजन	सर्वश्रेष्ठ
चिरकुट	प्रकाशक
उपन्यास	खूबसूरत
बुद्धजीवियों	उत्साहपूर्वक

२ पुस्तक के पृष्ट 61 से देखकर शब्द अर्थ स्वयं लिखो।

३ नीचे दिए शब्दों के वाक्य स्वयं बनाओ –

१ मनोरंजन -

२ नामकरण -

३ उपन्यास -

४ विद्वान् -

४ लघु उत्तरीय प्रश्न -

क) पुस्तक ने किस बात पर आश्चर्य न करने को कहा है ?

उत्तर - पुस्तक ने अपनी आवाज़ सुन कर आश्चर्य न करने को कहा।

ख) पुस्तक को पढ़कर लोग क्या बन जाते है ?

उत्तर - पुस्तक को पढ़ कर लोग विद्वान् बन जाते है।

ग) पुस्तक का जन्म कहाँ और कब हुआ था ?

उत्तर - पुस्तक का जन्म सन 1936 में प्रसिद्ध लेखक प्रेमचंद के घर में हुआ था।

घ) पुस्तक के जन्मोपरांत कौन खुश हुआ और क्या नाम रखा?

उत्तर - पुस्तक के जन्मोपरांत लेखक प्रेमचंद खुश हुए और पुस्तक का नाम ' गोदान ' रखा।

५ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न -

क) पुस्तक बनने की क्या प्रक्रिया है? लिखिए।

उत्तर - पुस्तक बनने के लिए कागज़ पर छापाखाने मशीन द्वारा छपाई की जाती है और फिर उसे सिल कर सुन्दर जिल्दबन्दी की जाती है।

ख) पुस्तक का उपयोग किस रूप में किया जाता है?

उत्तर - पुस्तक का उपयोग पढ़ने और अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए किया जाता है।

पुस्तक अभ्यास कार्य (पृष्ट - ६२ से 65)

१ सही विकल्प चुनिए -

क) प्रेमचंद ख) १९३६ ग) गोदान घ) उपन्यास ड) विद्वान्

२ रिक्त स्थान भरो -

क) भेद ख) विद्वान् ग) प्रेमचंद घ) अनुवाद ड) कपास , कपड़ा

भाषा बोध

१ वाक्यों का काल परिवर्तन करो -

क) यह आवाज़ मेरी पुस्तक से निकल रही है।

ख) मैं पुस्तक थी।

ग) मुझे वे अपनी सर्वश्रेष्ठ संतान मानते है।

घ) मेरा नामकरण ' गोदान ' के रूप में किया जाएगा ।

ड) मुझे पढ़ कर लोग विद्वान् बन जाएँगे।

२ वाक्यों के लिए अकर्मक क्रिया या सकर्मक क्रिया लिखो -

क) अकर्मक क्रिया

ख) सकर्मक क्रिया

ग) सकर्मक क्रिया

घ) अकर्मक क्रिया

ड) अकर्मक क्रिया

३ विलोम शब्दों का मिलान करो

राजा रंक

विद्वान् मूर्ख

सुन्दर करूप

जन्म मृत्यु

परिचित अपरिचित